an>

Title: Demand for opening examination Centres of J.E.E. and A.I.P.M.T in Kota Rajasthan.

श्री ओम बिरला (कोटा) : माननीय अध्यक्ष महोदया, कोटा राजस्थान में आई.आई.टी., ए.आई.पी.एम.टी. परीक्षा की तैयारी करने के लिए देश के दो लाख विद्यार्थी आते हैं। जब वह तैयारी कर लेते हैं, कोचिंग पूरी कर लेता हैं तो परीक्षा देने के लिए उन्हें 250 किलोमीटर, 300 किलोमीटर दूर उदयपुर और जयपुर जाना पड़ता है। उसमें 50 परसेंट से ज्यादा, 1 लाख से ज्यादा बच्चियाँ होती हैं। जब परीक्षा एक साथ होती है तो उनको वहाँ पहुँचने में कठिनाई आती है। कोटा में ही पहले जे.ई.ई. एडवांस्ड और जे.ई.ई. मेन्स का परीक्षा केन्द्र था। उसी प्रकार ए.आई.पी.एम.टी. का परीक्षा केन्द्र भी कोटा में होना चाहिए। अगर परीक्षा केन्द्र कोटा में होगा तो उन बच्चों को 250 किलोमीटर दूर राजस्थान में परीक्षा देने के लिए जाने को मजबूर नहीं होना पड़ेगा। इसका कोई तर्क भी नहीं है। आज देश के अंदर आई.आई.टी., ए.आई.पी.एम.टी. के बारे में कभी संशय पैदा नहीं हुआ, फिर कोटा के साथ जब दो लाख विद्यार्थी वहाँ पढ़ते हैं, उनको 250 किलोमीटर दूर जाने के लिए परिवार और परिवार सहित मुश्किल होती है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि जे.ई.ई. मेन्स और जे.ई.ई. एडवान्स्ड और ए.आई.पी.एम.टी. का परीक्षा केन्द्र कोटा में खोला जाए। इतना ही नहीं, सीबीएसई के अंदर कोटा ही एक ऐसा शहर है, जहाँ सैक्शन निर्धारित किए गए हैं। जबकि पूरे देश के विद्यार्थी वहाँ आते हैं और सी.बी.एस.ई. द्वारा 10वीं और 12वीं में वहाँ सैक्शन निर्धारित करने के कारण वहाँ के बच्चे को दूसरे विद्यालय में एडमिशन लेना पड़ता है। इसलिए मेरा निवेदन है कि यहाँ सैक्शन निर्धारित करने की सीमा को भी समाप्त करना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष :

श्री पी.पी.चौधरी का नाम श्री ओम बिरला द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध किया जाता है।